



प्रेस विज्ञप्ति

साहित्य अकादेमी द्वारा कवि संधि कार्यक्रम आयोजित  
राजेंद्र मिश्र ने प्रस्तुत की अपनी कविताएँ

नई दिल्ली। 17 सितंबर 2019; साहित्य अकादेमी के प्रतिष्ठित कार्यक्रम कवि संधि में आज इंदौर से पधारे प्रख्यात कवि एवं कथाकार राजेंद्र मिश्र ने अपनी कविताएँ प्रस्तुत कीं। अपनी कविताएँ प्रस्तुत करने से पहले उन्होंने अपनी रचना प्रक्रिया पर बात करते हुए कहा कि उनकी कविताएँ थोड़ा अलग हटकर हैं और वे सीधे प्रहार करती हैं। उनमें अलंकरण आदि ढूँढना मुश्किल है।

उन्होंने – ‘शांति की बात’, ‘जेहाद’, ‘आवाम’, ‘लोग हँस रहे हैं’, ‘स्त्रियाँ जी रही हैं’, ‘युद्ध के बिना’, ‘ये बगावत नहीं हैं’, ‘मैं वर्दी से बाहर आना चाहता हूँ’ एवं ‘निकाह’ आदि शीर्षक से अपनी कविताएँ प्रस्तुत कीं। इन कविताओं के जरिए उन्होंने देश के विभाजन वर्तमान समय की राजनीति तथा नेताओं आदि के दोहरे व्यक्तित्व पर तीखी टिप्पणियाँ की। उनकी अंतिम कविता ‘मेरी कविता’ शीर्षक से थी जिसमें उन्होंने अपनी रचना प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बात करते हुए कहा कि उनकी कविता उनके स्वर के रूप में बाद तक पाठकों के बीच जिंदा रहेगी। कार्यक्रम का संचालन साहित्य अकादेमी के संपादक हिंदी अनुपम तिवारी ने किया।

के. श्रीनिवासराव







